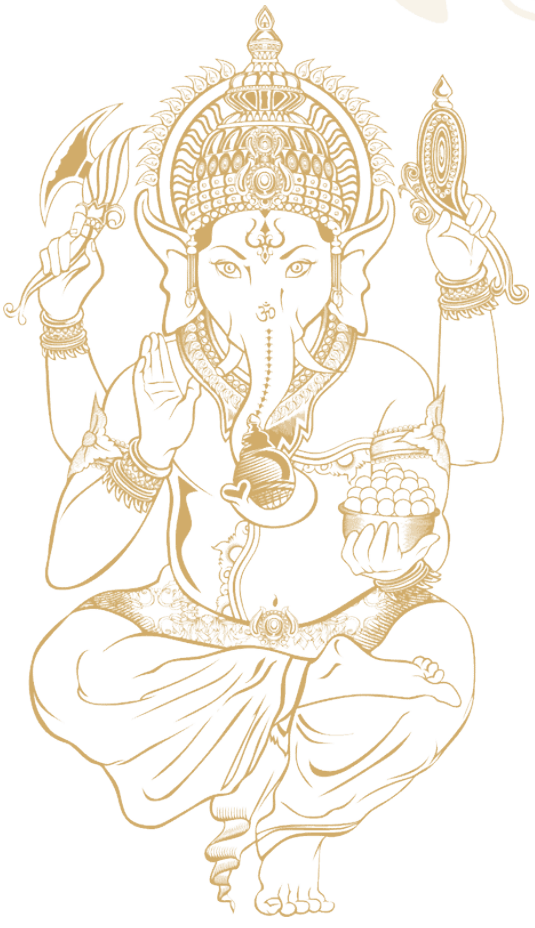

# Mr Manish Dubay

# Ms Shweta Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121254609

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 04/11/2000 | जन्म तिथि | 10-11/02/1999 |
| शनिवार | दिन | बुध-गुरुवार |
| घंटे 07:20:00 | जन्म समय | 04:05:00 घंटे |
| घटी 01:50:05 | जन्म समय(घटी) | 52:30:40 घटी |
| India | देश | India |
| Kota | स्थान | Kota |
| 25:11:00 उत्तर | अक्षांश | 25:11:00 उत्तर |
| 75:58:00 पूर्व | रेखांश | 75:58:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:08 | स्थानिक संस्कार | -00:26:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:35:57 | सूर्योदय | 07:04:43 |
| 17:43:59 | सूर्यास्त | 18:16:17 |
| 23:51:50 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:31 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चन्द्र 5वर्ष 10मा 0दि | | 26:53:52 | तुला | लग्न | धनु | 09:24:08 | बुध 6वर्ष 9मा 26दि | |
| राहु | | 18:05:14 | तुला | सूर्य | मक | 27:53:45 | शुक्र | |
| 05/09/2013 | | 15:33:15 | मक | चंद्र | वृश्चि | 24:38:53 | 08/12/2012 | |
| 05/09/2031 | | 06:07:54 | कन्या | मंगल | तुला | 11:52:17 | 08/12/2032 | |
| राहु | 18/05/2016 | 07:37:58 | तुला व | बुध | कुंभ | 03:03:22 | शुक्र | 08/04/2016 |
| गुरु | 11/10/2018 | 15:20:07 | वृष व | गुरु | मीन | 05:41:51 | सूर्य | 09/04/2017 |
| शनि | 17/08/2021 | 25:17:03 | वृश्चि | शुक्र | कुंभ | 22:38:45 | चन्द्र | 08/12/2018 |
| बुध | 06/03/2024 | 04:51:30 | वृष व | शनि | मेष | 04:35:55 | मंगल | 07/02/2020 |
| केतु | 24/03/2025 | 24:01:43 | मिथु | राहु व | कर्क | 28:18:16 | राहु | 07/02/2023 |
| शुक्र | 24/03/2028 | 24:01:43 | धनु | केतु व | मक | 28:18:16 | गुरु | 08/10/2025 |
| सूर्य | 16/02/2029 | 23:03:42 | मक | हर्ष | मक | 19:26:05 | शनि | 08/12/2028 |
| चन्द्र | 18/08/2030 | 10:01:59 | मक | नेप | मक | 08:44:48 | बुध | 09/10/2031 |
| मंगल | 05/09/2031 | 17:43:53 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 16:22:49 | केतु | 08/12/2032 |

## लग्न-चलित

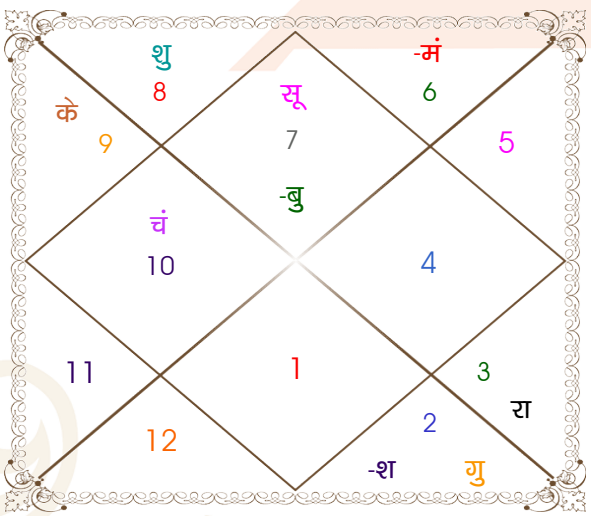


## लग्न-चलित

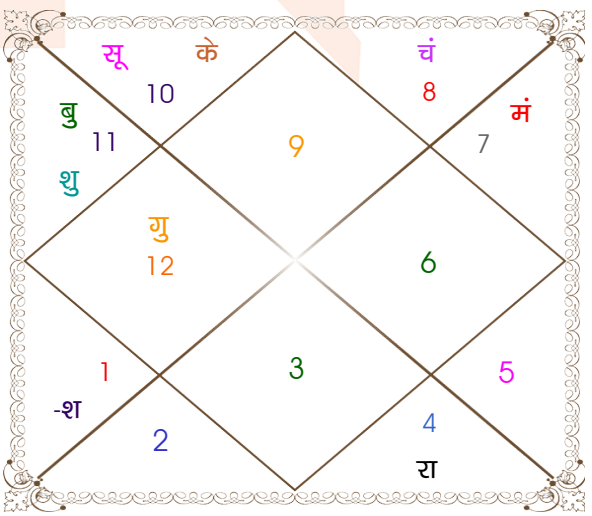

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | कीटक | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | मृग | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | मंगल | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | राक्षस | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.00 | | |

डत डंदपी क्नइंल का वर्ग मार्जार है तथा डेंैूमजॅंीतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत डंदपी क्नइंल और डेंैूमजॅंीतउं का मिलान शुभ है।

### मंगलीक दोष मिलान

डत डंदपी क्नइंल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डत डंदपी क्नइंल कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेंैूमजॅंीतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेंैूमजॅंीतउं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत डंदपी क्नइंल  तथा डैंूमज ींतउं  में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।